(MR. CHAIRMAN *in the Chair.)*

DR. JOHN BRITTAS: Sir, I am literally shocked and taken aback by the answer given by the hon. Minister. ...(*Interruptions*)... Sir, the Minister has said that the matter regarding the consideration of release of Nimisha Priya is a matter between the family of the deceased and Nimisha Priya's family. ...(*Interruptions*)...

REGARDING DISORDER IN THE HOUSE AND POSITION OF DISSENT NOTES IN REPORTS OF SELECT COMMMITTEES- *Contd.*

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सभापति महोदय, हम लोग वाक-आउट करते हैं। ...(**व्यवधान**)...

(At this stage, some hon. Members left the Chamber.)

MR. CHAIRMAN: I know you would still walk out. ...(*Interruptions*)... I know this. ...(*Interruptions*)... Yes, Jairam Ramesh*ji*, you know it more than I do. Dr. John Brittas, one minute. Hon. Members, what really hurts me is that I made full opportunity available to the Opposition to put their stand. Am I right, Bhupender*ji*? Full opportunities were given to them and there is no reason for them to walk away from their constitutional obligation. They are now walking out from the House. And, the entire nation is looking up to the Parliament to find a resolution to this issue. Dr. John Brittas, supplementary number one.

DR. JOHN BRITTAS: Sir, thank you very much. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: The Leader of the House wants to say something. Dr. John Brittas, yield as per directive.

सभा के नेता (श्री जगत प्रकाश नड्डा): सभापति महोदय, अभी विपक्ष ने वॉकआउट किया, तो मैं यह कहना चाहता हूं कि आज प्रातः से आपने पूरी तत्परता के साथ विपक्ष को पूरा मौका दिया। आपने यह भी चाहा कि जो उनके बिंदु हैं या जो उनकी कन्सर्न्स हैं, वे सारे कन्सर्न्स चर्चा में आएं। कुछ सदस्यों ने नियमों को भी तोड़ा, उस पर भी आपने बहुत दिरयादिली दिखाते हुए यह प्रयास किया कि उन पर कोई एक्शन न हो और उनको आपने वॉर्न किया। सारी चर्चा में एक बात ध्यान में आई कि विपक्ष का उद्देश्य चर्चा करना नहीं था, विपक्ष का उद्देश्य राजनीतिक दृष्टि से अपना प्वाइंट स्कोर करने का था, यह बात स्पष्ट दिखती है। यह दुर्भाग्य की बात है, दुख की बात है कि जिसके बारे में पार्लियमेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर ने बड़े स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी चीज़ का

deletion नहीं हुआ है, किसी भी चीज़ को डिलीट नहीं किया गया है और अनेक्सचर में सब कुछ as it is रखा गया है। हमारे एक मंत्री ने स्पष्ट किया कि चेयरमैन को यह अधिकार है कि वह कुछ भी डिलीट कर सकता है। वह नियम बताते हुए कि किसी भी चीज़ का deletion हो सकता है, फिर भी कुछ डिलीट नहीं किया गया। विपक्ष ने बहुत गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार किया है और इसकी निंदा होनी चाहिए। यह तुष्टीकरण की राजनीति है। This is a politics of appeasement. यह देश को कमजोर करने के लिए है। ...(**व्यवधान**)...

DR. JOHN BRITTAS: Sir, this is the Question Hour.

श्री जगत प्रकाश नड्डा: जॉन ब्रिटास यह क्वेश्चन ऑवर जरूर है, लेकिन क्वेश्चन ऑवर में सबसे बड़ा क्वेश्चन यह है कि कुछ लोग देश को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। Some people are trying to fight against the Indian State. भारत देश के खिलाफ लड़ रहे हैं। इसलिए आज के दिन विपक्ष का वॉक आउट होना ऑन रिकॉर्ड आना चाहिए कि यह ऐसी देशविरोधी गतिविधियों को प्रोत्साहन देने का एक माध्यम है और उसका एक्सप्रेशन है। महोदय, कांग्रेस पार्टी और विपक्ष के अन्य और लोग, जो देश को खंडित करना चाहते हैं, देश को कमज़ोर करना चाहते हैं, अगर उनके हाथ मजबूत करने का काम कोई कर रहा है, तो वह विपक्ष कर रहा है।

DR. JOHN BRITTAS: Sir, I have my question. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापतिः माननीय सदस्य, सुन लीजिए ...(**व्यवधान**)... One minute. I will call you. माननीय सदस्य, देश में जब भी कोई बड़ा बदलाव आता है, जनता बदलाव चाहती है, एक समस्या का समाधान चाहती है, तो इस प्रकार का घटनाक्रम देखने को मिलता है। मैं ऐसे प्रकरण का साक्षी रहा हूं। मैं जब 9TH लोक सभा का सदस्य था, तब सामाजिक न्याय का एक बहुत बड़ा बदलाव आया था। वह बदलाव यह आया कि मंडल कमीशन की रिपोर्ट को एक तरीके से लागू किया गया था। उस समय उपद्रव हुए थे और आश्रम चौक पर भी उपद्रव हुआ था। समय कितना बदला! आज उससे ज्यादा आंदोलन यह है कि हमें इसका लाभ मिलना चाहिए। उस समय विरोध था, लेकिन वह विरोध आधारित नहीं हो पाया। वक़्फ़ भी उसी तरीके का एक अध्याय बन रहा है। लंबे समय से इस विषय पर सदन की नज़र होनी चाहिए थी, सदन क्या निर्णय करता है, यह सदन का विवेक है, पर जनता के मन में यह मुद्दा हर स्तर पर बहुत व्यापक है और इसीलिए कमेटी का गठन किया गया था। माननीय भूपेन्द्र यादव जी ने तार्किक बात कही कि जिस तरीके से मुझे अधिकार है, इस कुर्सी पर बैठने वाले को अधिकार है, लोक सभा के अध्यक्ष को अधिकार है कि कोई बात ऐसी कही जाए, जो रिकॉर्ड पर नहीं आनी चाहिए, वही अधिकार - और उसी की ओर आपने संकेत दिया था कि वह अधिकार ज्वाइंट पार्लियामेंटरी कमेटी के सभापति को भी है। यदि इस सदन में हम संयम से काम नहीं करेंगे, सार्थकता से काम नहीं करेंगे, देश के हित को सामने रखकर काम नहीं करेंगे और राजनीतिक तरीके से अपने दर्शन को पारिभाषित करेंगे, तो मेरे हिसाब से राष्ट्र हित खतरे में पड़ेगा। मेरा सदन के नेता से आग्रह है कि जो लोग वैल में आए हैं, मैंने इस प्रवृत्ति को गंभीरता से लिया है, मैंने आज भी इसको नजरअंदाज़ नहीं किया है, क्योंकि

आपने कहा –दरियादिली, लेकिन इस विषय पर दरियादिली दिखाने का मतलब संविधान के निर्माताओं का अनादर करना है। भारत की जनता का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता है कि जिनको भेजा गया, उन्होंने सभापति के कहने के बावजूद - और विशेषकर तीन सदस्यों ने जो आचरण किया है, यदि उस आचरण पर आज सदन समय समाप्ति से पहले कोई निर्णय नहीं लेता है, तो इसके दूरगामी परिणाम होंगे। यह फर्क नहीं पड़ता है कि संख्या क्या है। फर्क यह पड़ता है कि राष्ट्र हित के खिलाफ, सदन की मर्यादा के खिलाफ संख्या कुछ भी हो, कदम न उठाना एक ऐसा कमजोर व्यक्तित्व पारिभाषित करता है, जो व्यक्ति को खुद ही शर्म में डाल देता है। इसलिए मैंने दरियादिली नहीं दिखाई है। ...(**व्यवधान**)...

श्री जगत प्रकाश नड्डाः सभापति जी, मेरा आग्रह है कि इन पर एक्शन हो और ये आज के लिए सदन से सस्पेंड हों।

श्री सभापतिः माननीय सदस्यगण, मैं यह मानकर चलता हूं कि इस विषय के ऊपर, during the course of the day, जो कदम विधिवत् उठाने चाहिए, वे उसी तरीके से संपादित हो। इसकी शुरुआत कैसे होती है, यह जानकारी सभी को है। I, now, allow Dr.John Brittas to ask his supplementary number one.

DR. JOHN BRITTAS: Thank you, Sir. I have returned after my walkout. Let me register that here. Sir, I need your protection. You told me that you will compensate. Please compensate in the form of ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Dr. John, you are one of the most learned Members. You are seeking the protection of the Chair. I am leaving, and Mr. Deputy Chairman will preside over the House now.

DR. JOHN BRITTAS: Sir, I hope Mr. Deputy Chairman will also protect me and compensate. ...*(Interruptions)*...

(MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS- *Contd.*

Release of Nimisha Priya from Yemen Jail- *Contd.*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please put your question, Dr. John. ...*(Interruptions)*...

DR. JOHN BRITTAS: You will have to protect me, Sir. I am shocked by the Minister of State's response, which clearly contradicts the Cabinet Minister's stance. Can a